प्रदेश के 50 और जिलों में बनेंगे ड्रग वेयरहाउस

फिलहाल 25 में चल रहा निर्माण, तुरंत मिलेंगी दवाएं

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश के हर जिले में दवाओं के रखरखाव के लिए अब वेयरहाउस बनाए जाएंगे। इसमें 50 के निर्माण को स्वीकृति मिली जबकि 25 का निर्माण शुरू हो गया है। निर्माण के लिए हर जिले में जमीन की तलाश की जा रही है। हर जिले में वेयरहाउस होने से वहां के अस्पतालों को तुरंत दवाएं मिल सकेंगी।

उत्तर प्रदेश मेडिकल सप्लाई कॉरपोरेशन बनने के बाद सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त की जा रही हैं। अभी तक जिला अस्पतालों में अथवा जिला मुख्यालय पर किराये पर लिए गए भवन में वेयरहाउस बनाए गए थे। इसमें ज्यादातर जीर्ण शीर्ण हो गए हैं। श्रावस्ती सहित

कुछ जिलों में किराये पर भी भवन नहीं मिल पाए हैं। इस समस्या को देखते हुए पहले चरण में 25 ड्रग वेयरहाउस तैयार कराए जा रहे हैं। इसी बीच राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन योजना के तहत 50 अन्य जिलों में भी ड्रग वेयरहाउस को मंजूरी मिल गई है। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने सभी जिलाधिकारियों को पत्र भेजा है। मेडिकल सप्लाई कॉरपोरेशन की ओर से भी जमीन की तलाश के लिए कहा गया है।

क्या-क्या होगा ड्रग वेयरहाउस में

ड्रग वेयर हाउस को 50 हजार वर्ग मीटर में बनाया जाएगा। यह सीएमओ कार्यालय से 10 किलोमीटर की परिधि में होगा। संबंधित स्थल तक जाने के लिए पक्का रास्ता और संबंधित स्थल के ऊपर बिजली के तार नहीं होने चाहिए। ड्रग वेयरहाउस में दवा के लिए दो स्टोर रहेंगे। इसके अलावा कार्यालय, फार्मेसिस्ट रूम, फ्रीजर रूम, कंप्यूटर रूम सहित अन्य सुविधाएं भी होंगी। यहां एक्सपायर होने वाली अथवा किसी कारण से खराब होने वाली दवाओं को अलग रखने की भी व्यवस्था होगी। हर जिले में नया ड्रग वेयरहाउस बनने से दवाओं का रखरखाव बेहतर तरीके से हो सकेगा।